चुड़ैल बोनी-लेग्स
जोआना
चित्र : डिर्क

चुड़ैल बोनी-लेग्स

जोआना

चित्र : डिर्क

बोनी-लेग्स एक भयानक,
बुरी चुड़ैल थी.
वो अपने बूढ़े हड्डी वाले पैरों पर
बहुत तेज दौड़ सकती थी.
उसके दांत लोहे के बने थे और
उसे छोटे बच्चे खाना पसंद थे.
वो जंगल में बनी एक झोपड़ी में
रहती थी जो मुर्गे के पैरों पर
खड़ी थी.
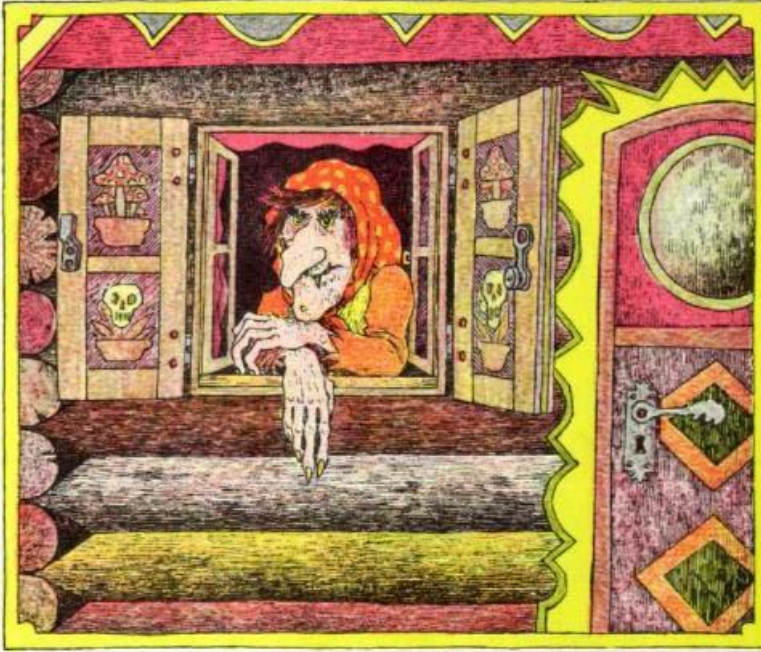
बोनी-लेग्स दिन भर बच्चों के गुजरने का इंतजार करती थी.

उसी जंगल के किनारे पर साशा नाम की एक लड़की, अपनी मौसी के साथ रहती थी.

एक सुबह साशा की मौसी ने उसे एक सुई-धागा उधार लेने के लिए भेजा.

साशा ने दोपहर के भोजन के लिए कुछ रोटी, मक्खन और थोड़ा सा मांस ले लिया. फिर वो जंगल में आगे बढ़ी.

वो काफी देर चलती रही. जब वो मुर्गी के पैरों पर खड़ी एक झोपड़ी के पास पहुंची तो वो उसे देखकर हैरान रह गई.
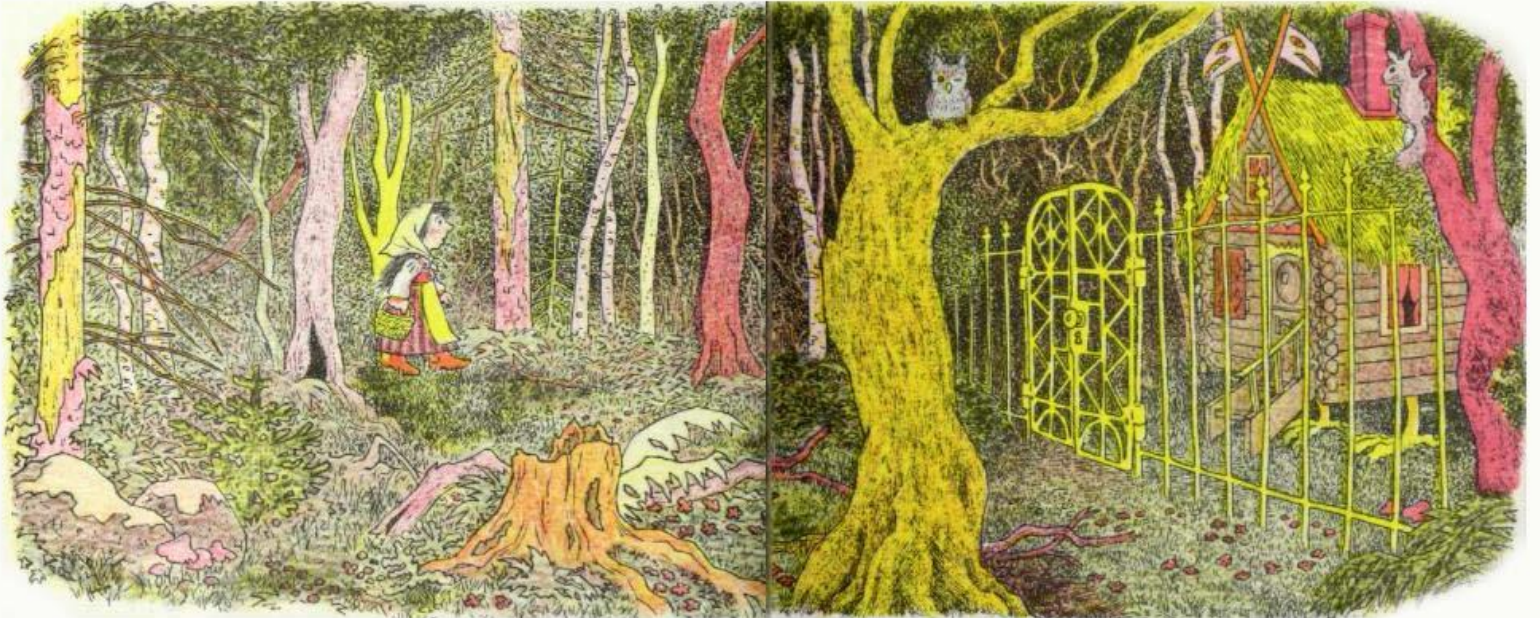
उसने अंदर घुसने का फैसला किया.
उसने गेट खोला.
गेट बहुत ज़ोर से चरमराया.

"बेचारा जंग लगा गेट," साशा ने कहा.

"लगता है तुम्हें कुछ ग्रीस चाहिए."
फिर उसने अपनी डबलरोटी से मक्खन
निकाला और उसे फाटक के कब्ज़ों
पर लगाया.
फिर गेट बिना चरमराए खुल गया.
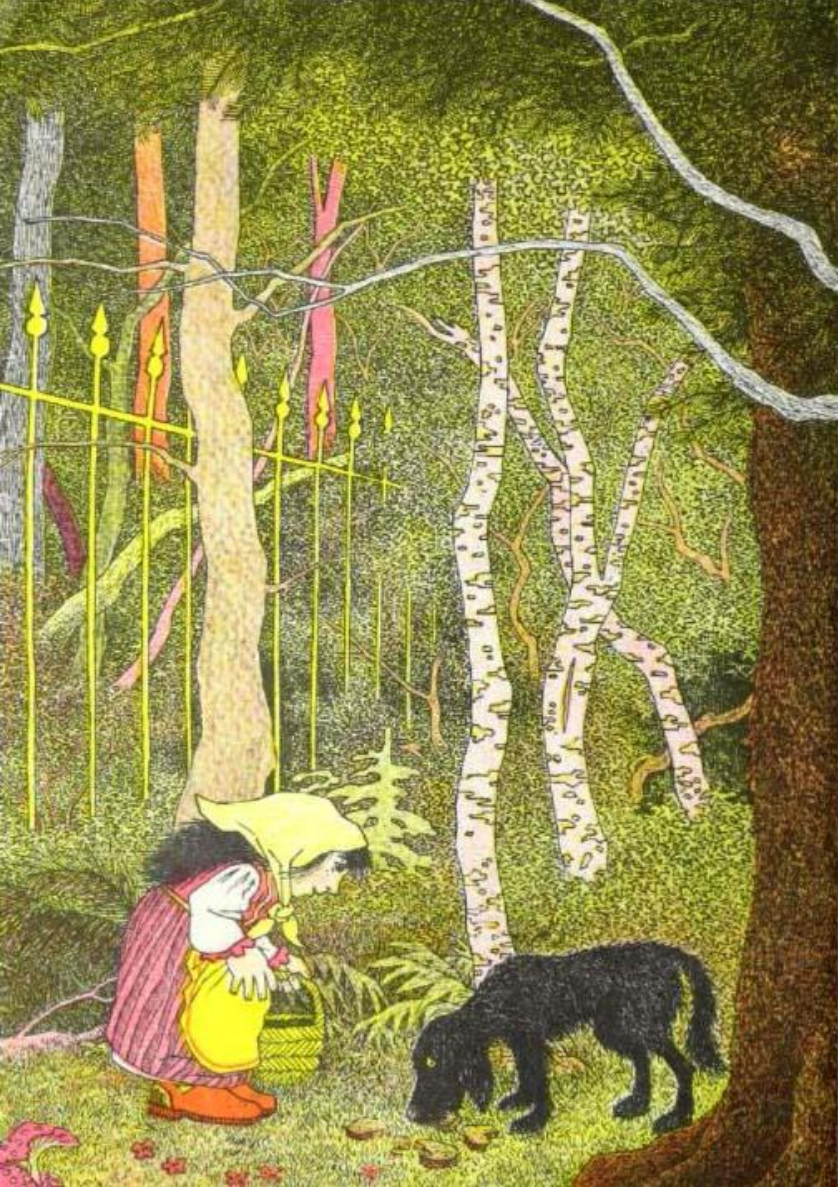
साशा रास्ते पर आगे चली.
एक पतला कुत्ता उसके रास्ते
में खड़ा था.
वो लगातार भौंक रहा था.

"बेचारा कुत्ता," साशा ने कहा.
"तुम काफी भूखे लग रहे हो."
फिर उसने कुत्ते को अपनी
डबलरोटी दे दी. डबलरोटी
खाने के बाद कुत्ते ने भौंकना
बंद कर दिया.

झोपड़ी के पास एक उदास बैठी बिल्ली रो रही थी.

"गरीब बिल्ली," साशा ने कहा.

"लगता है तुम्हें भी भूख लगी है?" फिर साशा ने अपना मांस का टुकड़ा बिल्ली को दे दिया. बूढ़ी चुड़ैल बोनी-लेग्स ने अपना सिर खिड़की से बाहर निकाला.

"तुम क्या चाहती हो?" उसने साशा से पूछा.
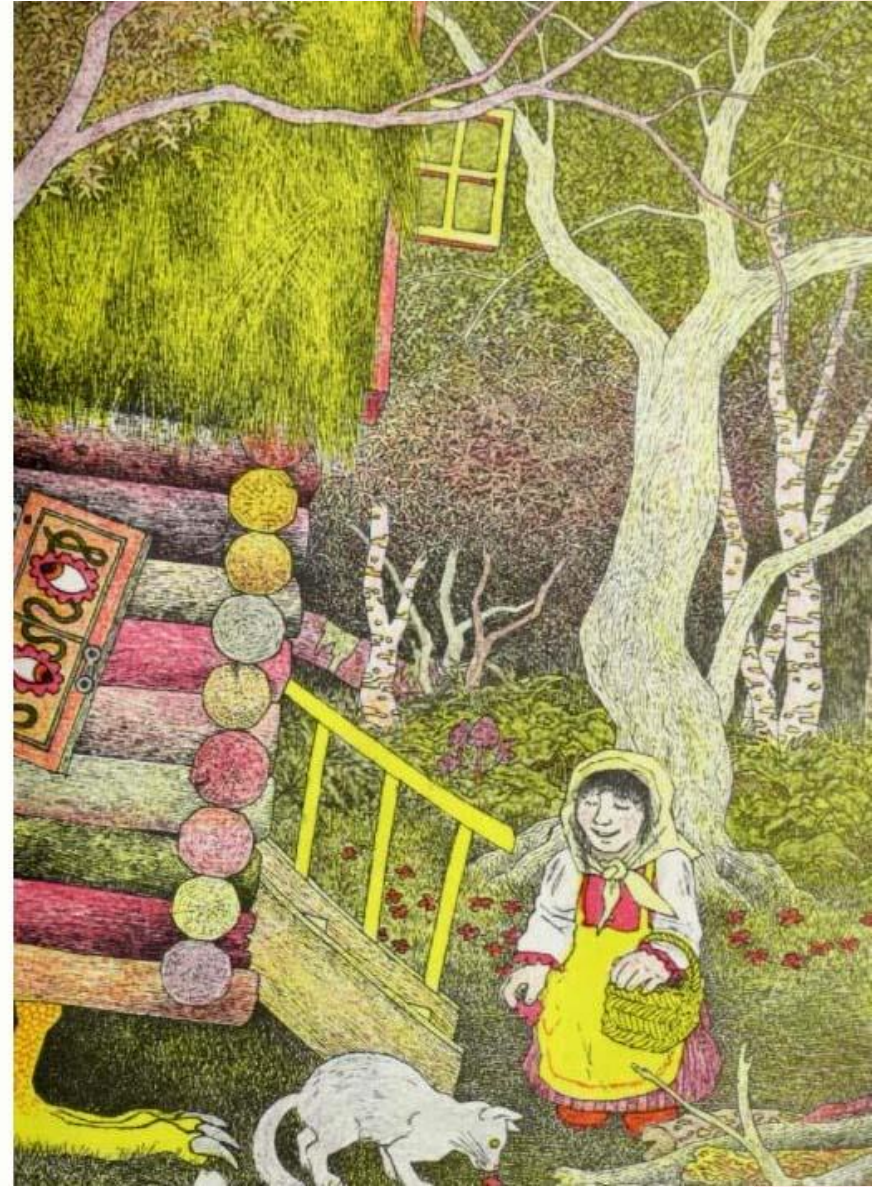
"मेरी मौसी को कुछ देर के लिए सुई-धागा उधार चाहिए," साशा ने कहा.

"चलो, अंदर आ जाओ," चुड़ैल ने कहा. फिर साशा झोपड़ी में अंदर घुसी.

"अब," बोनी-लेग्स ने कहा, "जाकर टब में नहाओ."

"क्यों?" साशा ने पूछा. "मुझे नहाने की कोई ज़रुरत नहीं है."

"मैं तुम्हें अच्छा और साफ चाहती हूं," चुड़ैल बोनी-लेग्स ने कहा.

"मैं तुम्हें अपने रात के खाने के लिए पकाने जा रही हूँ."

बोनी-लेग्स मुस्कुराई और उसने साशा को अपने लोहे के दांत दिखाए. फिर वह आग के लिए लकड़ियां बटोरने बाहर चली गई. उसने अपने पीछे दरवाजा बंद कर दिया.

साशा डर गई. वो बेचारी रोने लगी.

"मत रो," एक आवाज ने कहा. "मैं तुम्हारी मदद करूंगी."

साशा ने चारों ओर देखा.
वहां बिल्ली के अलावा कोई नहीं था.

बिल्ली ने कहा, "तुम टब भरना लेकिन उसके अंदर घुसना मत."

साशा ने पहले कभी किसी बिल्ली को बात करते नहीं सुना था. लेकिन साशा ने वही किया जो बिल्ली ने कहा.

चुड़ैल बोनी-लेग्स ने दरवाजे से अंदर पुकारा, "क्या तुम नहा रही हो, लड़की?"

"हाँ, मैं नहा रही हूँ," साशा ने कहा.

"अच्छा," बोनी-लेग्स ने कहा. और वो फिर से लकड़ियां बटोरने चली गई.

बोनी-लेग्स के जाने के बाद बिल्ली ने साशा को चाँदी का आईना दिया. "जब तुम मुसीबत में हो, तो इसे फेंक देना," बिल्ली ने कहा.

साशा को उसका मतलब कुछ समझ में नहीं आया.

लेकिन उसने आईना लिया और उसे अपनी जेब में रख लिया.

"अब यहाँ से भागो," बिल्ली ने कहा.

फिर साशा खिड़की से बाहर कूदी और दौड़ने लगी.
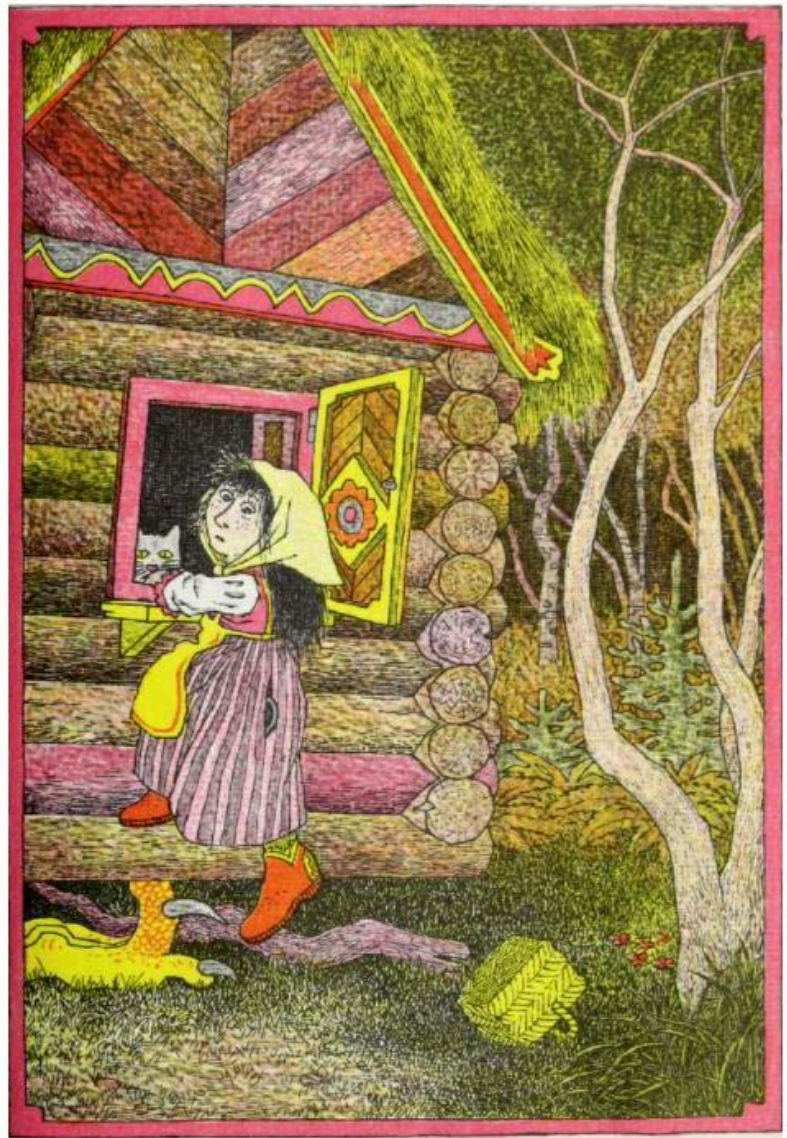
चुड़ैल ने फिर से दरवाजे में से पुकारा,
"क्या तुम नहा रही हो, लड़की?"

"हाँ, मैं नहा रही हूँ," बिल्ली ने कहा.

"ठीक है, जल्दी करो," चुड़ैल बोनी-लेग्स ने कहा. और वो फिर से चली गई.

साशा बगीचे से होकर बाहर की ओर भागी.

कुत्ते ने साशा को रोका और उसे एक लकड़ी की कंघी दी. "जब तुम्हें मदद की ज़रूरत हो, तो इसे फेंक देना," कुत्ते ने कहा.

साशा उसका मतलब कुछ समझ नहीं पाई. लेकिन उसने कंघी अपनी जेब में रख ली. फिर उसने गेट खोला. गेट के कब्ज़ों ने इस बार कोई आवाज नहीं की.

फिर साशा जंगल में भागी.
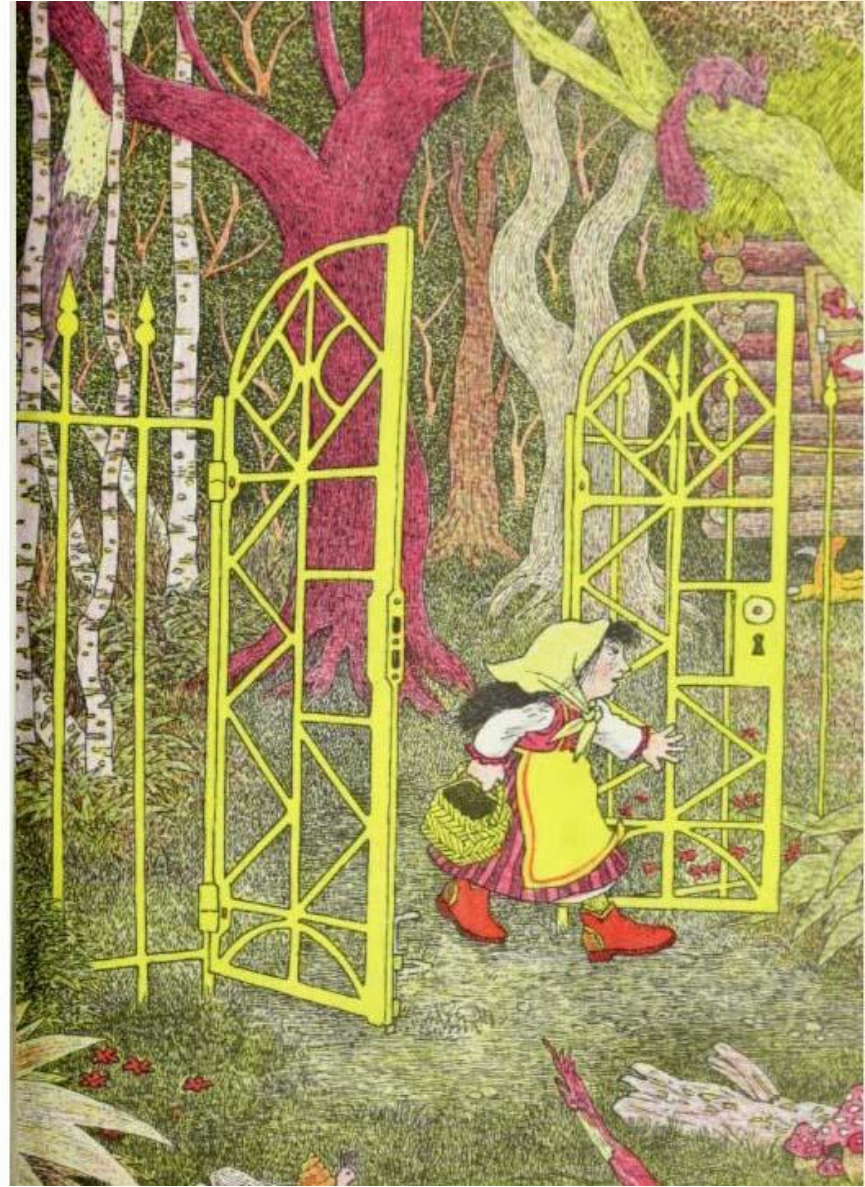
बोनी-लेग्स ने फिर से दरवाजे से पुकारा,
"क्या तुम नहा रही हो, लड़की?"

"हाँ, मैं नहा रही हूँ," बिल्ली ने कहा.

"क्या!" चुड़ैल बोनी-लेग्स ने कहा.
"क्या तुम अब तक नहीं नहाईं?"
फिर उसने झट से दरवाजा खोला.

अंदर बिल्ली थी. टब था.
लेकिन साशा कहाँ थी?

"बदमाश बिल्ली!" बोनी-लेग्स चिल्लाई.
"तुमने मुझे धोखा क्यों दिया?"

"तुमने मुझे कभी खाने को नहीं दिया," बिल्ली ने कहा. "लेकिन साशा ने मुझे खाने के लिए मांस का टुकड़ा दिया."

"धत्त!!" बोनी-लेग्स ने कहा, और वो गेट की ओर भागी. वहां पर कुत्ता धूप में सो रहा था.

"आलसी कुत्ते!" बोनी-लेग्स चिल्लाई. "तुम उस लड़की पर क्यों नहीं भौंके?"

"क्योंकि तुमने मुझे कभी खाना नहीं दिया," कुत्ते ने कहा.

"लेकिन साशा ने मुझे खाने के लिए डबलरोटी दी."

"धत्त!!" डायन ने कहा, और वह फाटक की ओर दौड़ी.

"गेट तुम एकदम बेकार हो!" वो चिल्लाई.

बूढ़ी चुड़ैल गुस्से में दौड़ी. उसने अपने पैर पटके, अपने बाल खींचे और अपनी नाक भी दबाई. लेकिन उसे कुछ अच्छा नहीं लग रहा था.

"तुमने गेट को बंद क्यों नहीं किया?"

"तुमने कभी मेरी देखभाल नहीं की," गेट ने कहा.

"लेकिन साशा ने मेरे कब्ज़ों पर मक्खन लगाया."

वो अपने हड्डियों वाले बूढ़े ने पैरों पर साशा के पीछे दौड़ी, साशा ने पीछे मुड़कर देखा और चुड़ैल के लोहे के दांतों को धूप में चमकते हुए देखा.

साशा डर गई. उसे चाँदी का दर्पण याद आया. उसने अपनी जेब से दर्पण निकाला और अपने पीछे फेंक दिया.
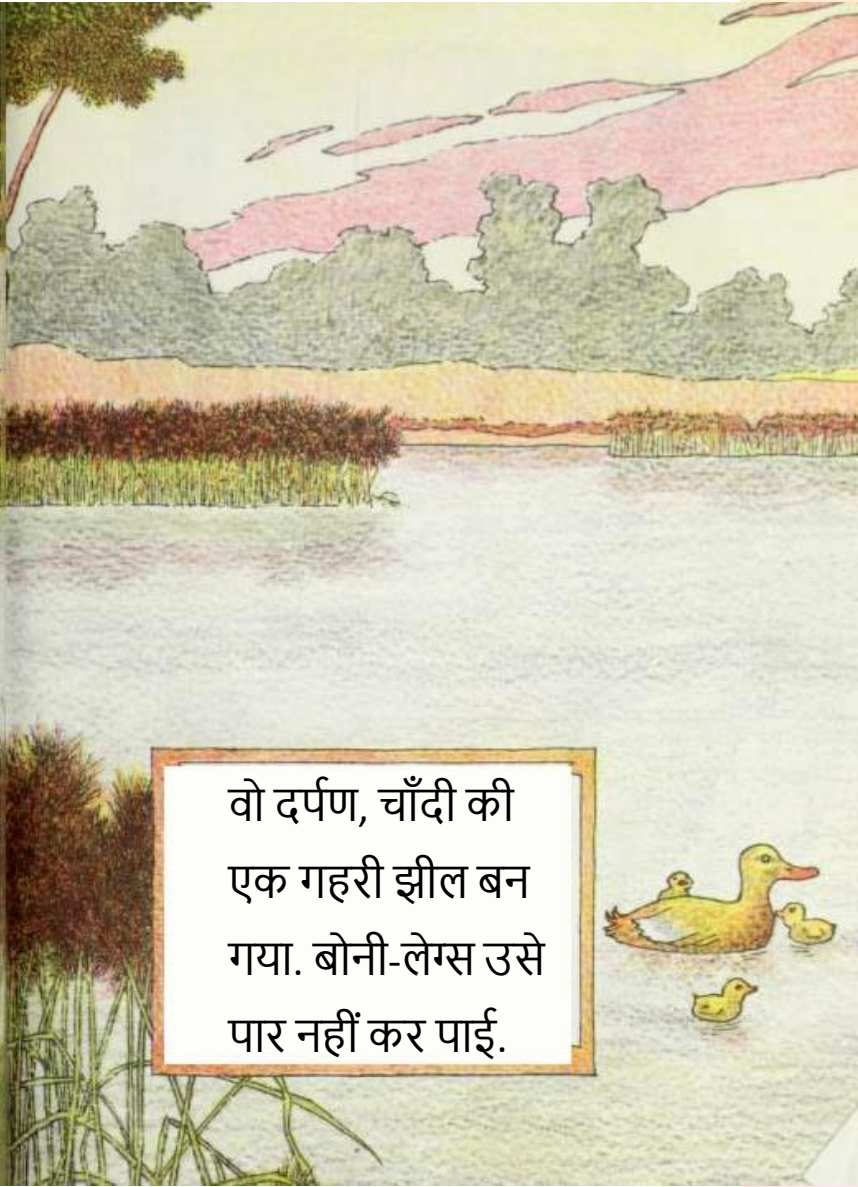
वो दर्पण, चाँदी की
एक गहरी झील बन
गया. बोनी-लेग्स उसे
पार नहीं कर पाई.

वो घर भागी और अपना टब लेकर आई.
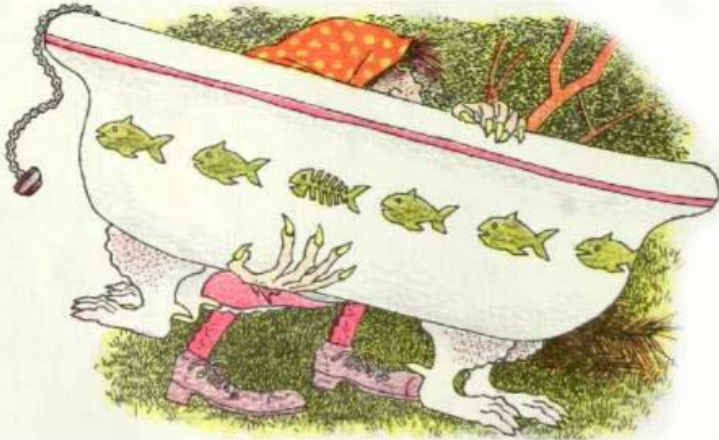
उसने टब की नाव में बैठकर
झील को पार किया.

फिर वो अपनी हड्डियों वाली बूढ़ी
टांगों पर साशा के पीछे-पीछे दौड़ी.

साशा ने फिर से चुड़ैल को आते देखा.
तब साशा को लकड़ी की कंघी याद आई.

उसने कंघी को अपनी जेब से
निकाला और अपने पीछे फेंक दिया.

कंघी तब तक बढ़ती रही
जब तक कि वो तीन पेड़ों
जितनी ऊंची नहीं हो गई.
चुड़ैल बोनी-लेग्स उस पर
चढ़ नहीं पाई.

वो पेड़ों के नीचे खुदाई भी नहीं कर सकी.
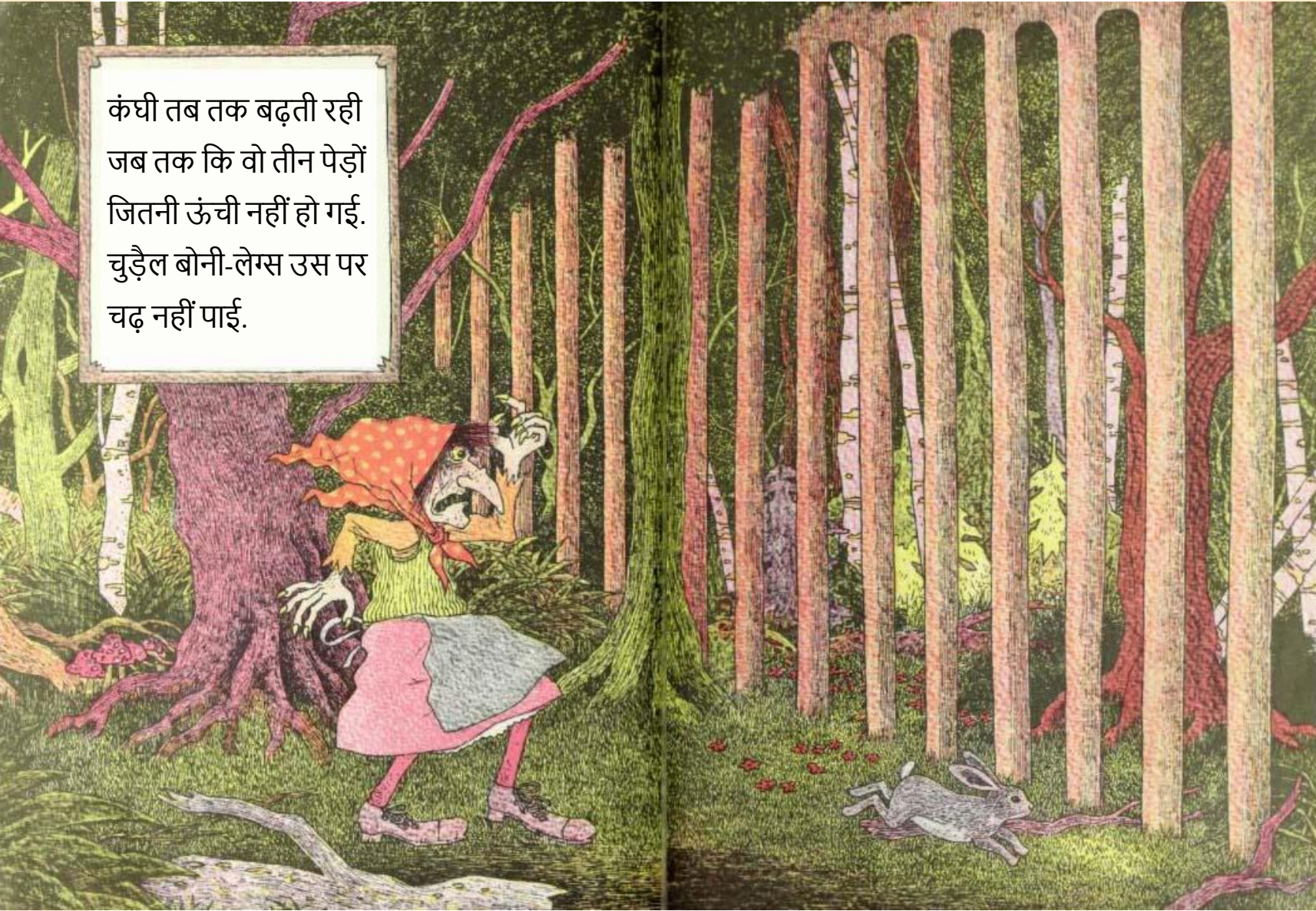
वो दो पेड़ों के बीच में से घुस भी नहीं पाई.

आखिर चुड़ैल ने हार मान ली.

उसने अपने पैर पटके, अपने बाल खींचे, और अपनी नाक को पूरी तरह से दबाया और फिर अपनी झोपड़ी में वापिस पहुंची.

फिर जब तक साशा जीवित रही
उसने बोनी-लेग्स को कभी नहीं देखा.

साशा भी अपने घर सुरक्षित पहुंची.
उसके बाद वो उस चुड़ैल की
झोपड़ी में जो मुर्गे के पैरों पर खड़ी
थी कभी वापस नहीं गई.

समाप्त